पलकों का घर तैयार साँवरे | by Kumar Deepak

पलकों का घर तैयार सांवरे
मेरी अँखियाँ करे इंतज़ार सांवरे
पलकों का घर.....

आँखों के अंसुवन जल से तेरे चरण पखारूंगा मैं
पलकों की कंघी से तेरे बाल संवारूँगा मैं
मौका सेवा का दे एक बार सांवरे
पलकों का घर.....

पुतली के दरवाज़े ऊपर पलकों का है पहरा
प्रेम है ये निस्वार्थ हमारा सागर सा है गहरा
हम तेरे हुए तलबगार सांवरे
पलकों का घर.....

बड़े भाव से बड़े चाव से तेरा लाड करेंगे
जहाँ रखोगे कदम कन्हैया वहीँ पे हाथ रखेंगे
ख्वाहिश पूरी करो एक बार सांवरे
पलकों का घर.....

महलो जैसे ठाठ नहीं घर देखने तो आओ
रहना ना चाहो कम से कम आज़माने आओ
मोहित दिल से करे मनुहार सांवरे
पलकों का घर.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%b2%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%98%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-kumar-deep/